पाठ 31

यूरोप महाद्वीप : आर्थिक स्वरूप

आइए सीखें

- यूरोप में कृषि हेतु क्या-क्या सुविधाएँ व तकनीकें उपलब्ध हैं?
- यूरोप की प्रमुख फसलें कौन-कौन सी हैं?
- यूरोप में खनिजों का उत्पादन और उद्योगों का विकास किस प्रकार का है?
- यूरोप में यातायात कितना विकसित हुआ है?
- यूरोप वासियों का जनजीवन कैसा है?

बच्चों, पिछले पाठ में तुम यूरोप महाद्वीप की विश्व में मध्यवर्ती स्थिति, धरातलीय संरचना और जलवायु के बारे में जान चुके हो। अब हम यूरोप महाद्वीप की कृषि, खनिज, उद्योग-धंधे, और यातायात के बारे में जानेंगे, जिनके कारण यूरोप के देश इतनी उन्नति और समृद्धि प्राप्त कर सके हैं।

कृषि-

यूरोप के अनेक भागों में उपजाऊ समतल भूमि, पर्याप्त वर्षा और सिंचाई की सुविधा होने से, महाद्वीप की आधी से अधिक भूमि पर कृषि की जाती है। यहाँ वैज्ञानिक तरीके से यंत्रों, रासायनिक खाद, सिंचाई और कुशल मानव श्रम की सहायता से गहन और मिश्रित कृषि की जाती है। संसार के सबसे अच्छे कृषि फार्म यूरोप में हैं। यूरोप की 15% से अधिक जनसंख्या कृषि से अपनी रोजी-रोटी कमाती है। यूरोप के देश अपने महाद्वीप की आवश्यकता से अधिक अन्न का उत्पादन करते हैं।

- **मिश्रित कृषि में विभिन्न फसलों के साथ-साथ पशुपालन भी किया जाता है।**
- **गहन कृषि उसे कहते हैं, जिसमें अधिक उत्पादन हेतु यंत्रों, उन्नत बीजों, रसायनिक खादों, सिंचाई, कीटनाशकों और कुशल मानव श्रम का उपयोग किया जाता है।**

यूरोप के विभिन्न भागों में भूमि के उपजाऊपन और जलवायु की परिस्थितियों को देखते हुए, अलग-अलग फसलें उगाई जाती हैं। गेहूँ, यूरोप की प्रमुख फसल है, जो यूरोप के उत्तरी मैदान, रूस के यूक्रेन क्षेत्र, हंगरी के डेन्यूब नदी की घाटी, फ्रांस के पेरिस की घाटी और इटली के पो नदी की घाटी में पैदा की जाती है। इन सभी भागों में उपजाऊ भूमि, गर्मी की लम्बी ऋतु (फसल पकने के लिए) तथा पर्याप्त वर्षा और सिंचाई की सुविधाएँ हैं। यूक्रेन विश्व का प्रमुख गेहूँ उत्पादक क्षेत्र हैं, जिसे "रोटी की टोकरी" कहा जाता है।

मध्य यूरोपीय तथा पूर्वी देशों जैसे जर्मनी, चेक गणराज्य, बेलारूस, पोलैण्ड, रूस, रोमानिया

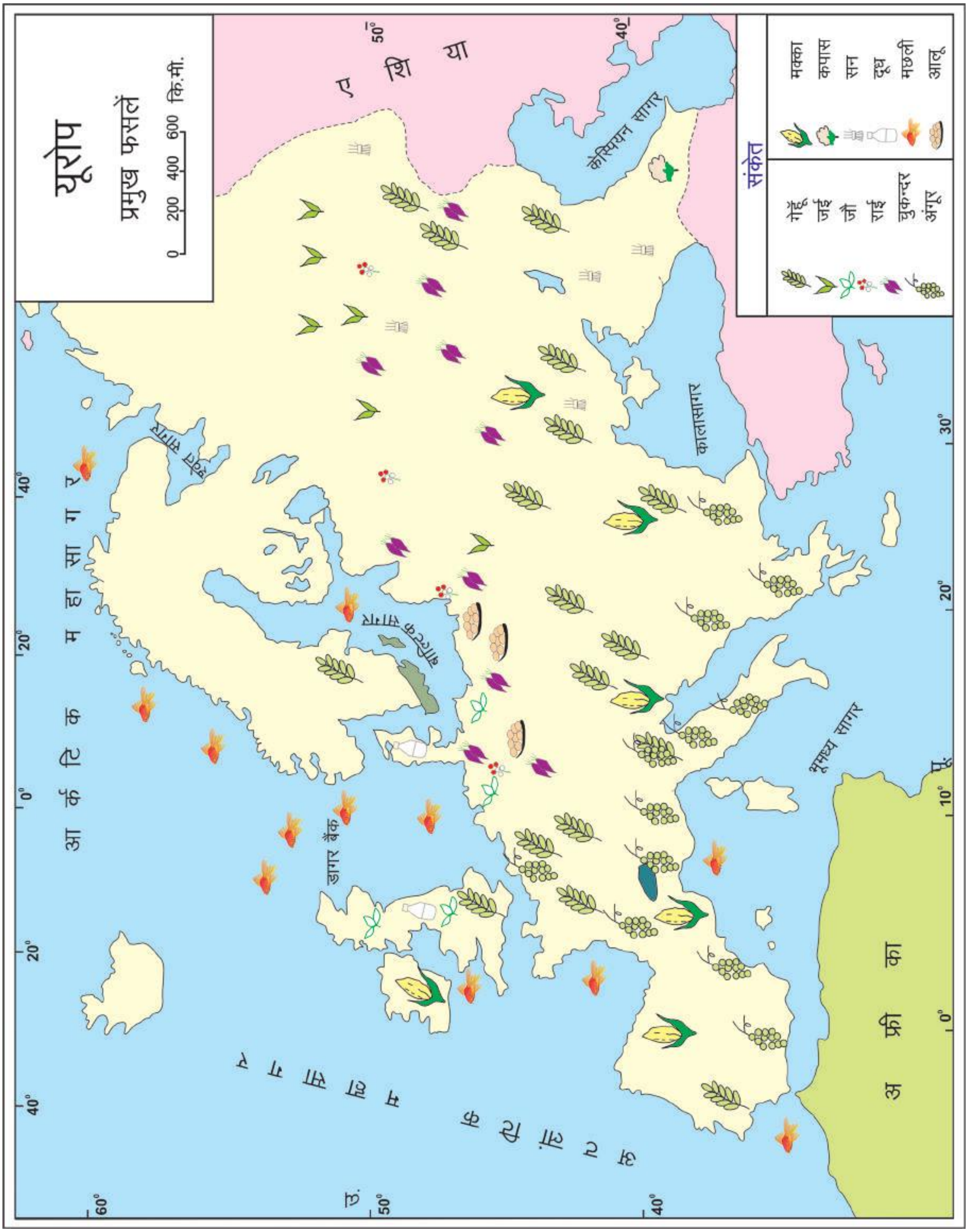

मानचित्र क्र.-17: यूरोप की प्रमुख फसलें

शिक्षण संकेत

- यूरोप के रेखा मानचित्र में विभिन्न फसलों को बच्चों से भरवाएँ।
- शिक्षक मिश्रित कृषि और गहन कृषि की अवधारणा स्पष्ट करें।

आदि में कम उपजाऊ भूमि में मोटे अनाजों जैसे जौ, जई और राई व आलू, चुकन्दर आदि की खेती होती है। चुकन्दर से शक्कर बनती है। बेल्जियम और रूस में, फ्लेक्स नामक रेशेदार फसल उगाई जाती है, जो जूट के समान होती है।

दक्षिणी यूरोप में भूमध्य सागरीय जलवायु वाले देशों में, जहाँ वर्षा सर्दियों में होती है और गर्मियाँ सूखी होती हैं, रसीले फलों की खेती के लिए प्रसिद्ध है। स्पेन, फ्रांस, इटली आदि के पठारी और पहाड़ी ढालों पर जैतून, अंगूर, सेव, अंजीर, मौसंबी, संतरा, नीबू, आदि की खेती अधिक होती है। इटली अंगूर व जैतून का संसार में सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

बेल्जियम और हालैण्ड में फूलों, सब्जियों और फलों की खेती अधिक होती है। रूस में दूध, मांस व ऊन उत्पादन के लिए पशुपालन होता है, जिसमें गायें, भेड़ें, बकरियाँ, सुअर और मुर्गियाँ पाली जाती हैं। इनके अलावा उत्तरी-पश्चिमी यूरोप की शीतल व आर्द्र जलवायु वाले देशों– डेनमार्क, हालैण्ड तथा बेल्जियम में पशुपालन और दुग्ध उद्योग का बहुत अधिक विकास हुआ है।

खनिज उत्पादन

बहुतायत से खनिज उत्पादन के कारण उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध से बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध तक यूरोप औद्योगिक विकास में विश्व में अग्रणी रहा। कोयला, लोहा, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, यूरोप में पाये जाने वाले महत्वपूर्ण खनिज हैं, जो औद्योगिक विकास के आधार हैं। विभिन्न खनिजों के उत्पादन में महत्वपूर्ण देश निम्नांकित हैं—

- **कोयला-** जर्मनी, पोलैण्ड, रूस, यूक्रेन, ब्रिटेन, चेक गणराज्य।
- **कच्चा लोहा-** रूस, स्वीडन, फ्रांस, ब्रिटेन, स्पेन, चेक गणराज्य।
- **पेट्रोलियम-** रूस, पोलैण्ड, युनाइटेड किंगडम (ग्रेट ब्रिटेन व आयरलैण्ड) तथा रोमानिया।

उपरोक्त खनिजों के अलावा यूरोप में मैगनीज, गंधक, अभ्रक, सीसा, सोना, पोटाश, ताँबा, चूना पत्थर आदि का भी उत्पादन होता है। पवन ऊर्जा (पवन से बिजली बनाना) का उत्पादन हालैण्ड, बेल्जियम और डेनमार्क में विशेष रूप से वर्षभर चलने वाली पछुआ हवाओं से किया जाता है।

औद्योगिक विकास

यूरोप आधुनिक उद्योगों का जन्मदाता है। वर्तमान में औद्योगिक उत्पादन में उत्तरी अमेरिका के बाद यूरोप का स्थान दूसरा है। यूरोप के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र, पश्चिम में ब्रिटेन से लेकर पूर्व में पोलैण्ड तक फैले हैं। (देखिए मानचित्र क्र. 18)।

लोहा-इस्पात उद्योग

यह यूरोप का सबसे महत्वपूर्ण उद्योग है। कच्चा लोहा और कोयला अधिकता से मिलने के कारण इस उद्योग का विकास हुआ है। लोहा-इस्पात बनाने के कारखाने रूस, जर्मनी, इटली, फ्रांस, पोलैण्ड, ब्रिटेन, रोमानिया, स्पेन, बेल्जियम और चैक गणराज्य देशों में अधिक है। लोहे से निर्मित कुछ महत्वपूर्ण वस्तुएँ बनाने के प्रसिद्ध केन्द्र निम्नांकित देशों में हैं–

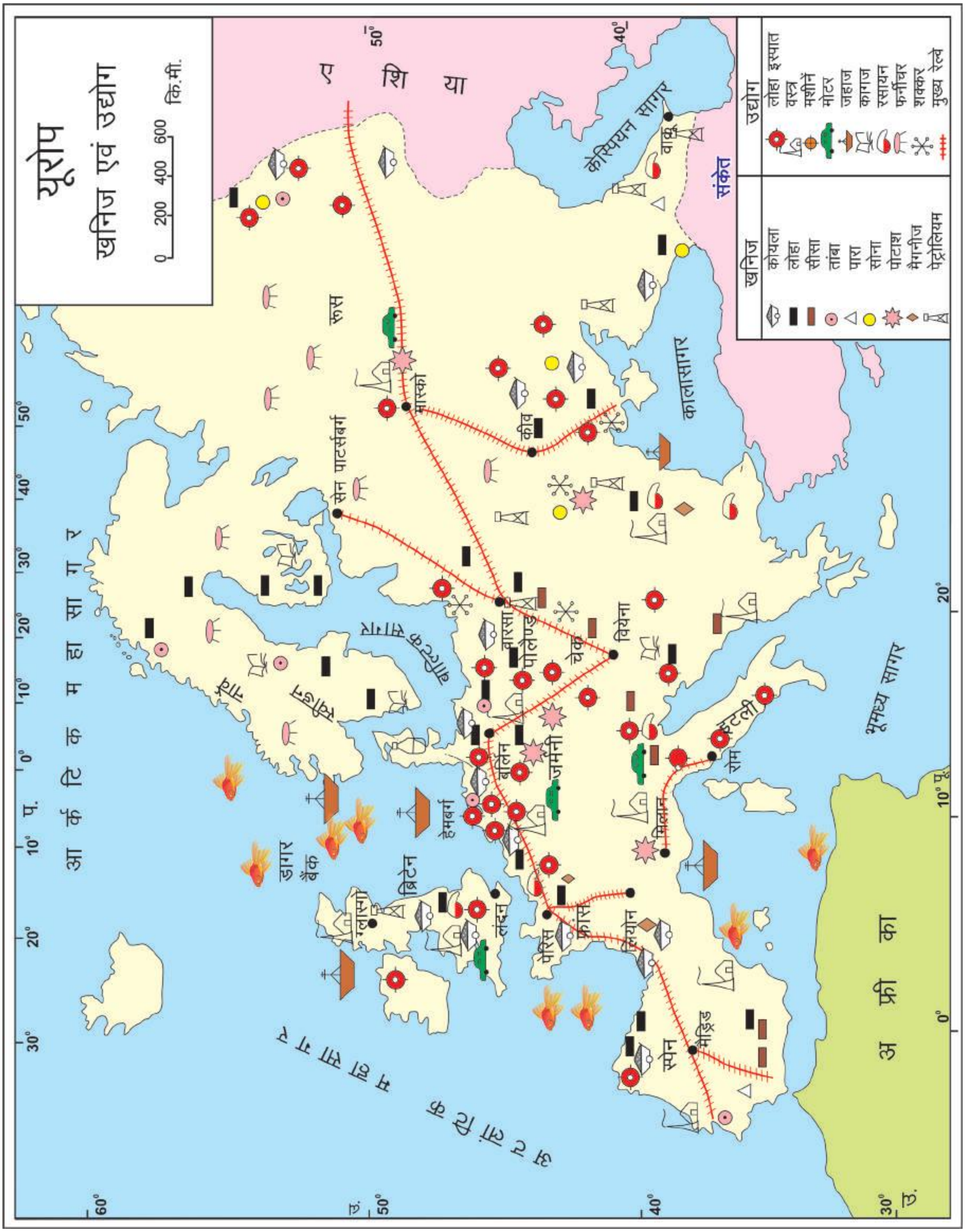

मानचित्र क्र.-18: यूरोप के खनिज एवं उद्योग धंधे

- **रेल के इंजन व डिब्बे-** फ्रांस, बेल्जियम व जर्मनी।
- **मोटर गाड़ियाँ-** इटली, रूस, फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी व ब्रिटेन।
- **जलयान-** स्काटलैण्ड व नार्वे।
- **हवाई जहाज-** ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी।
- **इंजीनियरिंग के सामान-** ब्रिटेन व जर्मनी।
- **सूती वस्त्र उद्योग-** ब्रिटेन व जर्मनी।

उपर्युक्त बड़े औद्योगिक देशों में भारी सामान बनाने के अलावा बिजली का सामान, रसायन, तेल शोधन, सीमेन्ट और अनेक उपभोक्ता वस्तुओं का निर्माण भी होता है।

स्विटजरलैण्ड, डेनमार्क, बेल्जियम, हालैण्ड, आस्ट्रिया, चेक गणराज्य जैसे अनेक छोटे देश, खनिजों के अभाव में घड़ियाँ, छोटे यंत्र, बिजली का सामान, दवाइयाँ, रसायनिक पदार्थ, फर्नीचर, श्रृंगार सामग्री आदि का निर्माण करने के लिए प्रसिद्ध है। पेरिस नगर विश्व का सबसे बड़ा फैशन केन्द्र है। स्विटजरलैण्ड घड़ियाँ बनाने के लिए संसार में प्रसिद्ध है।

खनिजों पर आधारित उद्योगों के अलावा कृषि पर आधारित उद्योगों में गेहूँ का आटा बनाना, बिस्कुट, डबल रोटी बनाना, चुकन्दर से शक्कर बनाना, फलों से शराब व रस बनाना, ऊनी व रेशमी वस्त्र बनाना, दूध से मक्खन, पनीर व पावडर बनाना और मांस को डिब्बों में बन्द करना आदि महत्वपूर्ण उद्योग हैं।

टैगा प्रदेश के वनों से प्राप्त मुलायम लकड़ी से कागज, कागज की लुग्दी तथा कृत्रिम रेशा बनाने के उद्योग भी महत्वपूर्ण हैं।

इस प्रकार यूरोप के लोगों ने अपने महाद्वीप में प्राप्त प्राकृतिक संसाधनों का भरपूर उपयोग करते हुए, कुशल कारीगरों और नवीनतम मशीनों की सहायता से, खूब औद्योगिक विकास किया है। यही कारण है कि यूरोप विकसित महाद्वीप है और इसके अधिकांश देश विकसित देशों की श्रेणी में आते हैं। यूरोप के सभी औद्योगिक देश अन्तर महाद्वीपीय व्यापार के अलावा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार भी करते हैं और संसार के अनेक देशों को अपने निर्मित माल का निर्यात करते हैं। यूरोप के सभी बड़े नगर व्यापार के महत्वपूर्ण केन्द्र हैं।

यातायात एवं परिवहन

यूरोप के औद्योगिक तथा व्यापारिक विकास में यातायात (आवागमन) और परिवहन (माल ढुलाई) के साधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

जल मार्ग

यहाँ कटे-फटे समुद्र तटों और नाव चलाने योग्य नदियों के कारण आंतरिक जलमार्गों का बहुत विकास हुआ है। जल यातायात सबसे सस्ता साधन है, जो सभी समुद्र तटीय देशों में पाया

जाता है। यूरोप से संसार के सभी महाद्वीपों के लिए जलमार्गों की सुविधा उपलब्ध है।

थल मार्ग

वैसे तो रूस से लेकर ब्रिटेन तक और नार्वे से लेकर स्पेन तक पूरे यूरोप में रेल मार्गों और सड़कों का पर्याप्त विकास हुआ है, परन्तु पश्चिमी यूरोप में पूर्वी यूरोप की अपेक्षा इनका अधिक विकास हुआ है क्योंकि वहाँ उद्योगों की अधिकता है। सभी देशों के महत्वपूर्ण नगर रेल व सड़क मार्ग से आपस में जुड़े हैं।

वायु मार्ग

यूरोप के महत्वपूर्ण देशों की राजधानियाँ संसार के सभी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों से जुड़ी हैं। महाद्वीप के सभी महत्वपूर्ण देशों में वायु मार्गों का आन्तरिक विकास भी खूब हुआ है।

मानव जीवन

यूरोप में संसार की लगभग 13% से अधिक आबादी निवास करती है, जिसमें सबसे अधिक ईसाई धर्म मानने वाले लोग हैं। यूरोप में लगभग 50 भाषाएँ बोली जाती हैं। महाद्वीप के 90% लोग शिक्षित हैं। औद्योगिक विकास की अधिकता के कारण लोगों की आय अधिक है, जिससे मानव जीवन खुशहाल है। यूरोप के अधिकांश देशों में भौतिक सुख-सुविधाओं का विकास अधिक हुआ है। अधिकांश आबादी नगरों में रहती है। जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से यूरोप में तीन प्रकार के क्षेत्र है–

- **घनी आबादी-** यूरोप के पश्चिम और दक्षिणी औद्योगिक देशों में।
- **सामान्य आबादी-** टैगा प्रदेश, रूस और पूर्वी पठारों में।
- **कम आबादी-** उत्तरी ठण्डे टुण्ड्रा प्रदेश में पायी जाती है।

अभ्यास प्रश्न

1. **निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइए–**

	(अ)		(ब)
(1)	यूक्रेन	-	अंगूर
(2)	इटली	-	घड़ियाँ
(3)	स्विट्जरलैण्ड	-	कम आबादी
(4)	परिवहन	-	गेहूँ
(5)	टुण्ड्रा	-	माल ढुलाई

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(1) यूरोप की -------- प्रतिशत से अधिक जनसंख्या कृषि से रोजी-रोटी कमाती है।

(2) --------- को 'रोटी की टोकरी' कहा जाता है।

(3) चुकन्दर से -------- बनाई जाती है।

(4) फ्रांस की राजधानी -------- है।

(5) यूरोप महाद्वीप के -------- प्रतिशत लोग शिक्षित हैं।

3. लघु उत्तरीय–

(1) मिश्रित खेती किसे कहते हैं?

(2) भूमध्य सागरीय जलवायु वाले देशों में कौन-सी खेती अधिक होती है?

(3) यूरोप के चार कोयला उत्पादक देशों के नाम लिखिए।

(4) पवन ऊर्जा का उत्पादन यूरोप के किन-किन देशों में होता है?

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

(1) यूरोप के औद्योगिक विकास का वर्णन कीजिए।

(2) यूरोप के औद्योगिक विकास में खनिज पदार्थ किस प्रकार सहायक हैं?

मानचित्र कार्य– निम्नांकित को यूरोप के रेखा मानचित्र में दर्शाइए–

(1) रसीले फलों की खेती का क्षेत्र।

(2) यूरोप के प्रमुख वायु मार्ग।

(3) दुग्ध उत्पादन के लिए प्रसिद्ध तीन देश।

(4) पेरिस, लन्दन, रोम, बर्लिन और मैड्रिड नगर।